



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 14] नई दिल्ली, शनिवार अप्रैल 7, 1984 (चैत्र 18, 1906)
No. 14] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 7, 1984 (CHAITRA 18, 1906)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	375
भाग I—खण्ड 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	427
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गये संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	—
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	591
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*
भाग II—खण्ड 1-क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*
भाग II—खण्ड 2—विशेषक तथा विधियों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपलब्धियां आदि भी शामिल हैं)	7227
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियमों और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियमों (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपलब्धियां आदि भी शामिल हैं) के हितों में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	215
भाग III—खण्ड 1—उच्चतम न्यायालय, महालेखा पत्रीक, संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासनों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	27
भाग III—खण्ड 2—पैटेंट कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं और नोटिस	1413
भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	57
भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांख्यिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं आदेश, विज्ञापन, और नोटिस शामिल हैं	*
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्ति और गैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस	*
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़े को दिखाने वाला अनुपूरक	*

के संख्या प्राप्त नहीं हुई।

1 GI/84

CONTENTS

	PAGES		PAGES
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	375	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories) ..	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	427	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..	—	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India. ..	7227
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence ..	501	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	215
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	2
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	1413
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills ..	*	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	57
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*	PART V—Supplement shewing statistics of Birth and Deaths etc, both in English and Hindi ..	

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई
विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by
the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by
the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च 1984

सं. 29-प्रेज/84—राष्ट्रपति निम्नलिखित अफसरों/कार्मिकों को उनकी असाधारण कोटि की कर्तव्य निष्ठा/साहसिक कार्यों के लिए “सेना मंडल” प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं।—

- | | |
|---|---|
| <ol style="list-style-type: none"> 1. मेजर त्रिपत सिंह (आई सी-19411), पंजाब 2. मेजर सूरवीर सिंह थापा (आई सी-28627), गढ़वाल राइफल्स 3. मेजर महेंद्र प्रताप सिंह खाती (आई सी-29100), कुमाऊं 4. मेजर प्रेम सिंह चौधरी (आई सी-29492), गजपूताना राइफल्स 5. मेजर भुजामिल असारि (आई सी-29608), जक राइफल्स 6. मेजर एम. नन्दा कुमारन (आई सी-32278), मराठा लाइट इफैंट्री 7. मेजर नाथिया चन्द रात (आई सी-33030), असम रीजिमेंट 8. कैप्टन सुधीत सिंह वालिया (आई सी-36312), आर्टिलरी 9. कैप्टन विरन्द्र सिंह ढंला (आई सी-31104), कुमाऊं 10. कैप्टन सुब्रतो मिश्रा (आई सी-31505), मद्रास 11. कैप्टन मूभाष चन्द्र बाली (आई सी-32146), जाट 12. कैप्टन मुरिन्द्र पाल सिंह (आई सी-33708), मराठा लाइट इफैंट्री 13. कैप्टन मनमीत सिंह (आई सी-34022), बिहार 14. कैप्टन संजय अग्रवाल (आई सी-35925), कुमाऊं 15. कैप्टन श्रीकुमार नायर (आई सी-38154), मद्रास 16. कैप्टन ईश्वर सिंह लाम्बा (आई सी-34943), गोरखा राइफल्स 17. कैप्टन गोट्टू मुक्कुल माधव वर्मा (आई सी-34387), गोरखा राइफल्स (मरणोपरान्त) 18. कैप्टन सुयश पाठक (एम एम-29662), इजीनियर्स 19. कैप्टन अश्वर गूप्ता (एम एम 30067), नागर 20. कैप्टन जॉन जामफ जवाहर फर्लिंग (एम आर-3878), आर्मी मेडिकल कार | <ol style="list-style-type: none"> 21. कैप्टन हरभजन सिंह चौहान (आई सी-338), मराठा लाइट इफैंट्री 22. सैकण्ड लिफ्टनेट नटराज विजय राववन (आई सी-40300), कुमाऊं 23. श्री इन्द्र देव थापा, सहायक कमांडेंट, असम राइफल्स 24. जे सी-83610 सूबेदार प्रताप सिंह, रावत, गढ़वाल राइफल्स 25. जे सी-99094 सूबेदार शोकरमल, ग्रेनेडियर्स 26. जे सी-96988 सूबेदार वर्शन सिंह, इजीनियर्स 27. जे सी-111555 नायब सूबेदार पूर्णानन्द, आर्टिलरी 28. जे सी-1231827 नायब सूबेदार ऊषनाक सिंह, आर्टिलरी 29. जे सी-105632 नायब सूबेदार हत राम, कुमाऊं 30. जे सी-3364030 नायब सूबेदार काबल सिंह, सिख 31. जे सी-121393 नायब सूबेदार बिशन दत्त ध्यानी असम राइफल्स 32. जे सी-110965 नायब सूबेदार नर बहादुर गुरुंग गोरखा राइफल्स 33. 2647723 हवलदार पृथी चन्द, ग्रेनेडियर्स 34. 4146866 हवलदार पुष्कर सिंह, कुमाऊं 35. 1193132 हवलदार कस्तांग सिंह, आर्टिलरी 36. 4051663 हवलदार दरवान सिंह नेगी, गढ़वाल राइफल्स 37. 4147374 हवलदार राम किशन, कुमाऊं 38. 4157740 हवलदार पदम सिंह, कुमाऊं 39. 5237539 हवलदार उदी बहादुर पुन, गोरखा राइफल्स 40. 6313226 हवलदार गुणजीत कुमार नन्दी, सिगनल्स 41. 53111 हवलदार वाजीर सिंह ठाकुरी, असम राइफल्स 42. 2764715 नायक मधुकर गणपत कजलें, मराठा लाइट इफैंट्री 43. 3368848 नायक अमरजीत सिंह, सिख 44. 4053002 नायक गणजीत सिंह, गढ़वाल राइफल्स 45. 2761113 नाम नायक वरुन मानके, मराठा लाइट इफैंट्री |
|---|---|

46. 2766315 लॉस नायक लोनेकर बालासाहेब चन्द, मराठ लाईट इंफैंट्री
 47. 4163929 लॉस नायक मांगे लाल, कूमाउर
 48. 9921873 लॉस नायक फुन्वक बांगचूक, लद्दाख स्काउट्स
 49. 13736496 लॉस नायक जगदीश कुमार, जाक राइफल्स
 50. 1566315 लॉस नायक बापूराव येलवे, इंजीनियर्स
 51. 49367 लॉस नायक दूर्गा बहादूर छेत्री, असम राइफल्स
 52. 2574356 सिपाही अन्नामलाई वासु, मद्रास
 53. 13742698 राइफलमैन निर्मल सिंह, जाक राइफल्स
 54. 3377087 सिपाही दीदार सिंह, सिख
- सं. 30-प्रेज/84—राष्ट्रपति निम्नलिखित अफसरों/कार्मिकों को उनकी असाधारण कार्य की कर्तव्य निष्ठा/साहसिक कार्यों के लिए "सीसेना मंडल" प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :—

1. कमांडर अरुण नारायण कर्वे (00593-वाइ)
2. सर्जन लेफ्टिनेंट कमांडर डीविड भास्कर राव (75157-कै)
3. लेफ्टिनेंट कमांडर कुलदीप चन्द कौशल (01056-जेड)
4. लेफ्टिनेंट राजन गुप्त (01836-वाइ)
5. लेफ्टिनेंट अरविन्द राव वर्धन (01498-बी)
6. आर. कै. कपूर, पेटी अफसर इलैक्ट्रिकल (एयर रेडियो) (097141-ए)
7. लीडिंग सीमैन जगदीश चन्द (094801-एच)
8. लीडिंग सीमैन (पी टी-11) विक्रम सिंह राजपूत (103518-डब्ल्यू)
9. सीमैन फर्स्ट क्लास क्लियरर्स डायवर 3 मनांतोप सरकार (201882-जेड)
10. आई खान, चीफ इलैक्ट्रिकल आर्टिफिसर एयर (094344-डब्ल्यू)
11. वी. एस. अकुर, एयर मेकैनिशियन 3 (093474-टी)

सं. 31-प्रेज/84—राष्ट्रपति निम्नलिखित अफसरों/कार्मिकों को उनकी असाधारण कार्य की कर्तव्य निष्ठा/साहसिक कार्यों के लिए "वायु सेना मंडल" प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :—

1. ग्रुप कैप्टन जनक प्रताप सिंह (5672), उड़ान (पायलट)
2. विंग कमांडर जैफरी डिमूजा (7432), उड़ान (पायलट)
3. विंग कमांडर हरबस सिंह सहाता (7663), उड़ान (पायलट)

4. विंग कमांडर विजय अनन्त जोशी (7684), उड़ान (पायलट)
5. विंग कमांडर दविन्दर सिंह संत, एस सी (8157), उड़ान (पायलट)
6. विंग कमांडर अभय सिंह (8424), उड़ान (पायलट)
7. विंग कमांडर रमा कान्त अग्रवाल (8742), उड़ान (पायलट)
8. स्ववाङ्मन लीडर अरुण कुमार इम्पर (10431), उड़ान (पायलट)
9. स्ववाङ्मन लीडर विनांद कुमार भाटिया (10892), उड़ान (पायलट)
10. स्ववाङ्मन लीडर नारायण सियरामकृष्णन (11084), एडमिन (फोटो)
11. स्ववाङ्मन लीडर तंजिन्द्रपाल सिंह छत्तवाल (11290), उड़ान (पायलट)
12. स्ववाङ्मन लीडर तंजिन्द्र सिंह गौरी (11644), उड़ान (पायलट)
13. स्ववाङ्मन लीडर नीरज शर्मा (11861), उड़ान (पायलट)
14. स्ववाङ्मन लीडर नरेंद्र प्रताप साही (12037), उड़ान (पायलट)
15. फ्लाइट अफसर बद्रीनाथ श्रीकान्त (15703), उड़ान (पायलट)

नई दिल्ली दिनांक 23 मार्च 1984

सं०-32-प्रेज/84। —राष्ट्रपति मणिपुर पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी बीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करने हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री अहनथम नीलमणी मिह,
पुलिस उप अधीक्षक,
मणिपुर।

श्री इमो मिह,
कान्स्टेबल सं० 3308,
मणिपुर।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

3 मार्च, 1979 को श्री अहनथम नीलमणी मिह, तत्कालीन पुलिस निरीक्षक, को सूचना प्राप्त हुई कि पिस्तौल और हथगोलों से लैस अज्ञात युवकों के एक गिरोह ने स्कूल निरीक्षक के कार्यालय (इस्फाल) में एक लाख में अधिक रुपए छीन लिए थे। श्री नीलमणी, एक उप निरीक्षक और 3 कान्स्टेबलों के साथ तत्काल घटनास्थल की ओर गए। शिक्षा विभाग का कार्यालय एक अलग स्थान पर स्थित था जो विभिन्न मार्गों से जुड़ा हुआ था। कोई भी व्यक्ति उपराधियों के वास्तविक ठिकाने या उनके पास अस्त्र-शस्त्रों के बारे में बताने में समर्थ नहीं था। उनके भागने के मार्ग के विषय में भी कोई निश्चित सूचना प्राप्त नहीं हो सकी। श्री ए० नीलमणी मिह ने पुलिस दल को दो मार्गों में विभाजित किया और छानबीन का कार्य शुरू किया। अन्ततः श्री नीलमणी ने एक भुमनाम मिश्र उर्फ नीलधारा की दुकान के नजदीक दो युवकों को देखा। श्री नीलमणी मिह और श्री इमो मिह युवकों की जांच करने के लिए उनकी तस्कण गए। उपराधियों में से एक बिलाला कि यदि श्री नीलमणी अपनी जिन्दगी चाहते हैं तो हथियारों का प्रयोग न करें और मान लें उन पर एक हथगोला फेंका। हथगोला उभरे नहीं लगा और उनकी टांगों के बीच

से गुजर गयी। श्री नीलमणी सिंह और श्री हमो सिंह ने जोरदार आक्रमण किया और अपराधियों का पीछा किया। उन्होंने क्रमशः 5 गोमिया और 3 गोमिया चलायीं। दुर्भाग्यवश अपराधियों को कोई गोली नहीं लगी। इस दौरान, दूसरा पुलिस दल उनके साथ आ मिला और मुख्यस्थित हथ से गांव की छानबीन की गयी। छानबीन के दौरान दो उग्रवादी पकड़े गए। पुलिस उग्रवादियों के कब्जे से एक पिस्तौल और 6060 रुपए नगद बरामद करने में सफल हुई। एक दूसरा कट्टर उग्रवादी भी बाद में पकड़ा गया।

अपराधियों को पकड़ने के इस प्रयत्न में श्री अहनथम नीलमणी सिंह, पुलिस उप-अधीक्षक और श्री हमो सिंह, कान्स्टेबल, ने उत्कृष्ट वीरता और कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 3 मार्च, 1979 में दिया जाएगा।

सं० 33-प्रेज/84—राष्ट्रपति केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री शिव शंकर पांडे, (मरणोपरांत)
निरीक्षक (कार्यकारी),
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल,
एकक, फरक्का,
पश्चिम बंगाल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

16 मार्च, 1983 को दोपहर बाद बांध परियोजना, फरक्का, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल एकक, के कुछ जवान खेजुरिया घाट, थाना कालिचोक, जिला माल्दा, में जब छरीदारी कर रहे थे तो उस पर असाभाजिक तत्वों की एक अनियंत्रित भीड़ ने बिना किसी उत्तेजना के हमला कर दिया।

2. यह सूचना निरीक्षक शिव शंकर पांडे को दी गयी। वे जवानों को हिंसक भीड़ से बचाने, भीड़ को शांत करने और स्थिति को और अधिक बिगड़ने से रोकने के लिए तुरन्त घटनास्थल की तरफ गए। उन्होंने शांति और समझौते की भावना के साथ भीड़ का सामना किया। वह अधिकतर जवानों को बचाने में सफल हो गये लेकिन अचानक भीड़ के एक भाग ने उन पर हमला कर दिया और लोहे की छड़ों और लाठियों से क्रूरता से पीटा और उनके सिर पर भारी बाटों से प्रहार किया। उन्होंने बल के सदस्यों की सुरक्षा के लिए जिन पर पहले आक्रमण हुआ था, मूर्छित होने तक सब कुछ बहादुरी से सहन किया। उन्हें बाद में फरक्का बांध परियोजना अस्पताल ले जाया गया जहाँ 16/17 मार्च, 1983 की रात का घायल होने के कारण उनका देहांत हो गया।

निरीक्षक शिव शंकर पांडे ने इस प्रकार उत्कृष्ट वीरता, कर्तव्यपरायणता और साहस का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 16 मार्च, 1983 से दिया जाएगा।

सं० 34-प्रेज/84—राष्ट्रपति मिज़ारम पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री एम० टी० प्रभाकरन,
पुलिस उप अधीक्षक,
28 बटालियन,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

श्री के० लालस्वाटा,
पुलिस उप-निरीक्षक,
एजोल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

8 फरवरी, 1982 को एक विषयसन्धीय सूचना मिली कि अपने आप को लेफ्टिनेंट कर्नल बनाने वाला लालहम्मिलियाना उर्फ हम्मिल्ला जिसके पास एम०-20 पिस्तौल था, श्री बेंगालाडिगा के मकान में था। पुलिस उप अधीक्षक एम० टी० प्रभाकरन ने उप-निरीक्षक के० लालस्वाटा और अन्य को लेकर एक पुलिस दल गठित किया जिनमें बेंगालाडिगा के मकान को घेर लिया। लगभग 23.30 बजे उन्होंने श्री बेंगालाडिगा का दरवाजा खटखटाया। उन्हें यह पूरी जानकारी भी कि मकान में लालहम्मिलियाना था और उसके पास हथियार भी थे तथा वह अबसर मिलने ही फौरन गोली चला देगा। श्री प्रभाकरन अपने जीवन के नजदीकी खतरे से भयभीत हुए बिना श्री लालस्वाटा और कांस्टेबल सेलुटा के साथ मकान में घुस गये। जब पुलिस दल मकान में घुसा तो उग्रवादी अपने हाथ में एम०-20 पिस्तौल लिए पुलिस दल पर गोली चलाते के लिए तैयार था। श्री लालस्वाटा साथ के कमरे में खनक सुनकर तुरन्त उस कमरे की ओर गये। उनके पीछे श्री प्रभाकरन थे। इससे पहले कि उग्रवादी अपनी एम०-20 पिस्तौल का घोड़ा दबाए श्री लालस्वाटा उग्रवादी पर छपट पड़े और श्री प्रभाकरन, जो श्री लालस्वाटा के ठीक पीछे थे, ने उग्रवादी के हाथ से पिस्तौल छीन ली, जबकि कांस्टेबल ने अपनी रिवाल्वर उग्रवादी के गिर की ओर तान ली। उग्रवादी को उसकी भरी हुई एम०-20 पिस्तौल के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।

श्री एम० टी० प्रभाकरन, पुलिस उप अधीक्षक और श्री के० लालस्वाटा, पुलिस उप निरीक्षक ने उग्रवादी को गिरफ्तार करने के कार्य में उत्कृष्ट वीरता और साहस का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 1(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 8 फरवरी, 1982 में दिया जाएगा।

सं० 35-प्रेज/84—राष्ट्रपति मणिपुर पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री मोहम्मद फजुर रहमान, (मरणोपरांत)
नाईक सं०-3299,
मणिपुर।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

20 अप्रैल, 1983 की प्रातः सूचना मिली कि खाईदेम मणिकान्त सिंह के नेतृत्व में महास्त्र पी०एल०ए० उग्रवादी जघन्य अपराध करने के इरादे से जिलों बाजार के क्षेत्र में और उसके आम पास घूम रहे थे। नायक फजुर रहमान को सूचना के बारे में जाब करने को तैनात किया गया ताकि पुलिस की कार्रवाई के अच्छे परिणाम निकल सकें। व भारत-बर्मा रोड पर दक्षिण की ओर लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित जिलों बाजार की ओर गये। जब वे जिलों बाजार के मोहम्मद श्री-जामान द्वारा चलाए जा रहे होटल के सामने खड़े थे तो तीन उग्रवादियों ने जो 9 एमएम पिस्तौल और हथगोलों से लैस थे, उन पर आक्रमण किया। एक उग्रवादी ने नजदीक से एक रॉड गोली चलाई जिसके परिणाम स्वरूप वे उदर में गोली लगने से घायल हो गये। गोली में घायल होने के बावजूद उन्होंने उग्रवादियों का पीछा किया जो नायक फजुर रहमान के प्रत्यागति तथा असाधारण साहस को देखकर आश्चर्यचकित रह गये और अपनी जान बचाने के लिये भागे। उन्होंने एक उग्रवादी को पकड़ लिया जिसके पास एक 9 एमएम का पिस्तौल था और उग्रवादी का हाथ 9 एमएम पिस्तौल छीनने के लिये ऐंठा जो उग्रवादी के हाथ से गिर गया। किन्तु उन्होंने उग्रवादी को प्रकल कर भारत-बर्मा सड़क के पूर्वी किनारे अमीन पर गिरा दिया और एक पंचर में उसे बार-बार पीटा। इस बीच गांव वाले वहाँ एकत्र हो गये। एक

उग्रवादी ने तुरन्त उस स्थल के निकट एकत्र हुई भीड़ की तरफ दो हथ-गोले फेंके। एक हथगोला उम स्थल के निकट नाले में फटा जहाँ हाथा-पाई हुई थी और दूसरा हथगोला उम स्थल के नजदीक बिना फटे पड़ा रहा। विस्फोट की आवाज सुनकर गांव वाले हड़बड़ाहट में भागे। संघर्ष में उग्रवादियों में से एक ने पिस्तौल उठा लिया और दूसरे ने बिना फटा ग्रेनेड उठा लिया और भागने में सफल हो गये। उसके बाद गांववालों ने उग्रवादियों पर दाक, फर्से आदि से आक्रमण किया जिसके परिणामस्वरूप एक उग्रवादी को भी कई घोंटे आई। नायक फजूर रहमान तथा वह उग्रवादी जो घायल हो गया था को तुरन्त अस्पताल भेजा गया परन्तु घायल होने के कारण दोनों की अस्पताल जाते-जाते-रामने में मृत्यु हो गई।

नायक मोहम्मद फजूर रहमान ने इस प्रकार अपराधियों को पकड़ने में उत्कृष्ट धीरता, साहस, कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया और अपने जीवन को बलिदान कर दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत धीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष भत्ता भी दिनांक 20 अप्रैल, 1983 से दिया जाएगा।

मु० नीलकण्ठन, राष्ट्रपति का उप सचिव

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधायी विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1984

संकल्प

सं० फ० 4(1)/81-रा०भा०—विधायी विभाग के संकल्प सं० फ० 4(1)/81-रा०भा० दिनांक 20 दिसम्बर, 1982 के अनुक्रम में भारत सरकार ने गैर सरकारी सदस्य श्री श्याम नंदन किशोर, पूर्व उपाध्यक्ष, शिक्षा, साहित्य और सांस्कृतिक, बिहार सरकार (पटना) को विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय का 24 अप्रैल, 1982 को पुनर्गठित हिन्दी सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में सेवा करने के लिए मनोनीत करने का विनिश्चय किया है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति निम्नलिखित का सूचनार्थ भेजी जाए:—

प्रधानमंत्री का कार्यालय/मंत्रिमंडल सचिवालय/संसदीय कार्य विभाग/लोक सभा सचिवालय/राज्य सभा सचिवालय/योजना आयोग/राष्ट्रपति सचिवालय/महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली और भारत सरकार के सभी मंत्रालय और विभाग।

यह आदेश भी किया जाता है कि संकल्प को सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एन० आर० सुब्रह्मण्यन, संयुक्त सचिव (प्रशा०)

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 मार्च 1984

सं० 13019/3/82-जी०पी०-II—इस मंत्रालय के तारीख 9-7-83 की समसंख्यक अधिसूचना के आंशिक आशोधन में राष्ट्रपति श्री चरणजीत सिंह को तारीख 31-3-84 की अवधि तक के लिए चण्डीगढ़ संघ शासित क्षेत्र के निम्न गृह मंत्री की परामर्शदात्री समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त करने हैं।

बालेश्वर राय, उप सचिव

बिना मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 1984

सार्वजनिक सूचना

सं० प्रतिअदायगी/सा०सू० 9/84—सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रतिअदायगी नियमावली, 1971 (भारत के राजपत्र, असाधारण, दिनांक 25 अगस्त, 1971 में प्रकाशित अधिसूचना सं० 52/फा०सं० 602/2/70-प्र०अ०) के नियम 4 के अधीन, केन्द्रीय सरकार सार्वजनिक सूचना सं० 37/82, दिनांक 26-4-1982 में प्रकाशित गारंटी में एतद्वारा निम्नलिखित जोड़ती है:—

उपक्रमांक 2722 के नीचे निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

उपक्रमांक	विवरण	प्रतिअदायगी की दर	विनिधान
			सी०शु० के०उ०शु०
2722(क)	मानव-निर्मित सेलुलोजिक फिलामेंट धागों से निर्मित मिली सिलाई पोशाक, जो उपक्रमांक 2722 में उल्लिखित में भिन्न हों।	पांच प्रतिशत	पांच प्रतिशत

यह सार्वजनिक सूचना जून, 1981 के पहले दिन से प्रवृत्त समझी जाएगी।

सं० प्रतिअदायगी/सा०सू० 10/81—सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रतिअदायगी नियमावली, 1971 (भारत के राजपत्र, असाधारण, दिनांक 25 अगस्त, 1971 में प्रकाशित अधिसूचना सं० 52/फा० सं० 602/2/70-प्र०अ०) के नियम 4 के अधीन, केन्द्रीय सरकार सार्वजनिक सूचना सं० 50/82 दिनांक 1-6-1982 और सं० 17/83 दिनांक 1-6-1983 में प्रकाशित गारंटी में एतद्वारा निम्नलिखित जोड़ती है:—

उपक्रमांक 2729 के नीचे निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

उपक्रमांक	विवरण	प्रतिअदायगी की दर	विनिधान
			सी०शु० के०उ०शु०
2729(क)	मानव-निर्मित सेलुलोजिक फिलामेंट सूत से निर्मित सिलीमिलाई पोशाक, जो बुने हुए/होजरी फैब्रिकों से और उपक्रमांक 2729 में उल्लिखित में भिन्न हों।	पांच प्रतिशत	पांच प्रतिशत

यह सार्वजनिक सूचना जून, 1982 के पहले दिन से प्रवृत्त समझी जाएगी।

जैड० बी० नगरकर, उप सचिव

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

तकनीकी विकास मण्डल

नई दिल्ली दिनांक 11 फरवरी 1984

संकल्प

सं० सी०पी०/तनल/79-83/430—सरकार ने संकल्प सं० सी०पी०/पेतल/79-83, के तहत ग्रेफाइट एवं कार्बन उत्पाद उद्योगों की विकास नामिका का संकल्प जारी किया जाने की तिथि देना वर्ष की अवधि के

लिए धुलाई किया है। अतः अब विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली में सी.एम.के. पक्कलर्नी, निदेशक कांच तथा मरमिक को नामिका के सदस्य के रूप में शामिल करने का निर्णय किया गया है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को भेजी जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि आम सूचना के लिए इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एस० डी० चतुर्वेदी, निदेशक (प्रशासन)

समाज कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1984

संकल्प

सं०-1-26/83-सी.एम.के. डब्ल्यू.बी०—इस मंत्रालय के दिनांक 3 फरवरी, 1984 के संकल्प संख्या 1-26/83-सी.एम.के.डब्ल्यू.बी० के अनुक्रम में भारत सरकार केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड के आम तत्काय में निम्नलिखित सदस्य को तत्काल नामित करती है :—

राज्य का नाम	प्रतिनिधि का नाम
समिलनाडु	श्रीमती तारा चैरियन, विधायिका

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति निम्नलिखित को भेजी जाए :—

1. केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड के सभी सदस्य।
2. सभी राज्य सरकार/केन्द्र शासित प्रदेश।
3. भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग।
4. राष्ट्रपति सचिवालय।
5. प्रधान मंत्री कार्यालय।
6. योजना आयोग।
7. लोक सभा/राज्य सभा सचिवालय।
8. मंत्रिमंडल सचिवालय।
9. पत्र सूचना कार्यालय, नई दिल्ली।
10. लेखा परीक्षा निदेशक, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली।
11. कम्पनी कार्य विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली।

12. कम्पनियों के रजिस्ट्रार, कंचनजंग बिल्डिंग, बाराकम्मा रोड, नई दिल्ली।
13. क्षेत्रीय निदेशक, कम्पनी विधि बोर्ड, कानपुर।
14. कार्यकारी निदेशक, केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, जीवन दीप बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली।
15. सभी अध्यक्ष, राज्य समाज कल्याण मलाहकार बोर्ड।
16. राज्यपाल, सभी राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को साधारण जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

बेद मारवा, संयुक्त सचिव

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च 1984

संकल्प

सं 1 (11)/83-सी. पी.—भारत सरकार ने दिनांक 31 मार्च, 1983 के संकल्प संख्या 1(19)/82-सी. पी. द्वारा अखिल भारतीय शक्तिशालित करदा बोर्ड पुनर्गठित करने का विनिश्चय किया था। बोर्ड का कार्यकाल इस संकल्प के जारी होने की तारीख से एक वर्ष के लिए था।

2. भारत सरकार ने, अब 31 मार्च, 1984 से एक और वर्ष के लिए बोर्ड की अवधि को बढ़ाने का विनिश्चय किया है।

3 31 मार्च, 1983 के संकल्प 1(19)/82-सी. पी. के अन्य प्रावधान अपरिवर्तित हैं।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी संबंधितों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सामान्य जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

हरबंस सिंह
सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 20th March 1984

No. 29-Pros./84.—The President is pleased to approve the award of Sena Medal to the undermentioned officers/personnel for exceptional devotion to duty/courage :—

1. Major Tripath Singh (IC-19411), Punjab.
2. Major Shoor Bir Singh Thapa (IC-28627), Garhwal Rifles.
3. Major Mahendra Pratap Singh Khatri (IC-29100), Kumaon.
4. Major Prem Singh Choudhary (IC-29492), Rajputana Rifles.
5. Major Muzamnil Ansari (IC-29608), JAK, Rifles.
6. Major M. Nandakumaran (IC-32278), Maratha Light Infantry.
7. Major Nadial Chand Rout (IC-33030), Assam Regiment.
8. Captain Sudhneet Singh Walia (IC-36312), Artillery.
9. Captain Virendra Singh Dhalla (IC-31104), Kumaon.

10. Captain Subroto Mitra (IC-31505), Madras.
11. Captain Subhash Chander Bali (IC-32146), JAT.
12. Captain Surinder Pal Singh (IC-33708), Maratha Light Infantry.
13. Captain Manmeet Singh (IC-34022), Bihar.
14. Captain Sanjay Agarwal (IC-35925), Kumaon.
15. Captain Shrikumar Nair (IC-38154), Madras.
16. Captain Ishwar Singh Jamba (IC-34943), Gorkha Rifles.
17. Captain Gottumukkula Madhav Varma (IC-34387), Gorkha Rifles (Posthumous).
18. Captain Suyash Pathak (SS-29662), Engineers.
19. Captain Shekhar Gupta (SS-30067), Dogra.
20. Captain John Joseph Jawahar Falleiro (MR-3878), Army Medical Corps.
21. Captain Harbhajan Singh Chauhan (IC-33801), Maratha Light Infantry.
22. 2/Lieutenant Natraj Vijay Raghavan (IC-40300), Kumaon.

23. **Shri Indra Dev Thapa, Assistant Commandant, Assam Rifles**
24. JC-83610 Subedar Pratap Singh Rawat, Garhwal Rifles
25. JC-99094 Subedar Pokar Mal, Grenadiers
26. JC-96988 Subedar Darshan Singh, Engineers.
27. JC-111555 Naib Subedar Purna Nand, Artillery
28. 1231827 Naib Subedar Ushnak Singh, Artillery
29. JC-105632 Naib Subedar Het Ram, Kumaon.
30. 3364030 Naib Subedar Kabal Singh, Sikh
31. JC-121393 Naib Subedar Bishan Datt Dhiyani, Assam Rifles
32. JC-110965 Naib Subedar Nar Bahadur Gurung, Gorkha Rifles
33. 2647723 Havildar Prithi Chand, Grenadiers
34. 4146866 Havildar Pushkar Singh, Kumaon
35. 1193132 Havildar Kartar Singh, Artillery
36. 4051663 Havildar Darwan Singh Negi, Garhwal Rifles
37. 4147374 Havildar Ram Kishan, Kumaon.
38. 4157740 Havildar Padam Singh, Kumaon
39. 5237539 Havildar Udi Bahadur Pun, Gorkha Rifles
40. 6313226 Havildar Ranjit Kumar Nandy, Signals
41. 53111 Havildar Bajji Singh Thakuri, Assam Rifles
42. 2764715 Naik Madhukar Ganpat Kenjale, Maratha Light Infantry
43. 3368848 Naik Amarjit Singh, Sikh
44. 4053002 Naik Ranjit Singh, Garhwal Rifles
45. 2761143 Lance Naik Baban Salunke, Maratha Light Infantry.
46. 2766315 Lance Naik Lonkar Balasaheb Chandu, Maratha Light Infantry
47. 4163929 Lance Naik Manghe Lal, Kumaon
48. 9921873 Lance Naik Phunchok Wangchok, Ladakh Scouts
49. 13736496 Lance Naik Jagdish Kumar, JAK Rifles
50. 1566315 Lance Naik Bapurao Yelave, Engineers
51. 49367 Lance Naik Durga Bahadur Chhetri, Assam Rifles
52. 2574356 Sepoy Annamalai Vasu, Madras
53. 13742698 Rifleman Nirmal Singh JAK Rifles
54. 3377087 Sepoy Didar Singh, Sikh

No. 30-Pres./84.—The President is pleased to approve the award of Nao Sena Medal to the undermentioned officers/personnel for exceptional devotion to duty/courage:—

- 1 Commander Arun Narayan Karve (00593-Y)
- 2 Surgeon Lieutenant Commander David Bhaskar Rao (75157-K)
- 3 Lieutenant Commander Kuldip Chand Kaushal (010567)
- 4 Lieutenant Rajan Gupta (01836-Y)
- 5 Lieutenant Arvind Raj Vardhan (01498-B)
- 6 R. K. Kapoor Petty Officer Electrical (Air Radio) (097141-A)
- 7 Leading Seaman Jagdish Chand Diver II (094801-H)
- 8 Leading Seaman (PT) II Vikram Singh Rajput (103518-W)
- 9 Seaman First Class Clearance Diver III Manotosh Sarkar (201882-Z)
10. I. Khan, Chief Electrical Artificer Air (094344-W)
- 11 B. S. Thakur, Air Mechanician 3 (093474-T)

No. 31-Pres./84.—The President is pleased to approve the award of Vayu Sena Medal to the undermentioned officers/personnel for exceptional devotion to duty/courage:—

- 1 Group Captain Janak Pratap Singh (5672), Flying (Pilot).
- 2 Wing Commander Jaffrey D'Souza (7432), Flying (Pilot)
- 3 Wing Commander Harbans Singh Sahota (7663), Flying (Pilot)
- 4 Wing Commander Vijaya Anant Joshi (7684), Flying (Pilot).
- 5 Wing Commander Davinder Singh Sant, SC (8157), Flying (Pilot)
- 6 Wing Commander Abhaya Singh (8424), Flying (Pilot)
- 7 Wing Commander Rama Kant Aggarwal (8742), Flying (Pilot)
- 8 Squadron Leader Arun Kumar Issar (10431), Flying (Pilot)
- 9 Squadron Leader Vinod Kumar Bhatia (10892), Flying (Pilot)
- 10 Squadron Leader Narayanan Sivaramakrishnan (11084), Adm (Photo)
- 11 Squadron Leader Tejinder Pal Singh Chhatwal (11290), Flying (Pilot)
- 12 Squadron Leader Tejinder Singh Gauri (11644), Flying (Pilot).
- 13 Squadron Leader Neeraj Sharma (11861), Flying (Pilot)
- 14 Squadron Leader Narendra Pratap Sahi (12037), Flying (Pilot).
- 15 Flying Officer Badrinath Srikanth (15703), Flying (Pilot)

New Delhi, the 23rd March 1984

No. 32-Pres./84.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Manipur Police:—

Names and rank of the officers

Shri Ahanthem Nilmani Singh,
Deputy Supdt of Police,
Manipur

Shri Imo Singh,
Constable No 3308,
Manipur.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 3rd March, 1979, an information was received by Shri Ahanthem Nilmani Singh, the then Inspector of Police that a gang of unknown youths armed with pistols and grenades had snatched away more than Rs. 1 lakh from the Office of Inspector of Schools (Imphal) Shri Nilmani along with one Sub-Inspector and 3 Constables immediately rushed to the place of occurrence. The office of the Education Department was located in an isolated place connected by different routes. No one was able to give exact description of the extremists or the fire-arms they possessed. Also, no definite information about the escape-routes was forthcoming. Shri A Nilmani Singh divided the police party into 2 groups and started combing the area. Eventually, Shri Nilmani Singh saw two youths near the shop of one Yumnam Mukhu alias Niladhara. Shri Nilmani Singh and Shri Imo Singh walked towards the youths to check them. One of the extremists immediately shouted not to use his weapon if Shri Nilmani cared for his life and hurled a grenade at him. The grenade did not hit him and passed between both of his legs. Shri Nilmani Singh and Shri Imo Singh charged vigorously and chased the criminals. They also fired 5 rounds and 3 rounds, respectively. Unfortunately, none of the bullets hit the criminals. Meanwhile, the other police party also joined them and a systematic search

of the village was carried out. During this search two extremists were arrested. Police were also able to recover one pistol and Rs. 6060/- in cash from the possession of the extremists. Another hard-core extremist was also arrested later on.

In this attempt to apprehend the criminals Shri Ahanthem Nilmani Singh, Dy. S. P., and Shri Imo Singh, Constable, exhibited conspicuous gallantry and devotion to duty.

These awards are made for gallantry under rule 4(1) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 3rd March, 1979.

No. 33-Pres/84.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Central Industrial Security Force :—

Name and rank of the officer

Shri Sheo Shankar Pandey, (Posthumous)
Inspector (Executive),
CISF Unit,
Farakka Barrage Project,
Farakka.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the afternoon of the 16th March, 1983, a few jawans of CISF Unit, Farakka Barrage Project, Farakka, while marketing at Khejuriaghat, PS Kaliachak, District, Malda, were attacked and assaulted by an unruly mob of anti-social elements without any provocation whatsoever.

This information was brought to the notice of Inspector Sheo Shankar Pandey who immediately rushed to the scene of occurrence with a view to rescue the jawans from the violent mob, pacifying the mob and to prevent further deterioration of the situation. He faced the mob with absolute calm and with a spirit of reconciliation. He was able to rescue most of the jawans but then suddenly he was assaulted by a section of the mob and mercilessly beaten with iron rods, lathis and bashed up his head with heavy measuring weights. He bore all this bravely, for the safety of the members of the Force who had been earlier attacked till he fell in a swoon. He was later removed to the Farakka Barrage Project hospital where he succumbed to his injuries on the night of 16/17 March, 1983.

Inspector Sheo Shankar Pandey thus exhibited conspicuous gallantry, devotion to duty and courage.

This award made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 16th March, 1983.

No. 34-Pres/84.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Mizoram Police :—

Names and rank of the officers

Shri M. T. Prabhakaran,
Dy. Supdt. of Police,
28 Bn. CRPF.

Shri K. Lalruata,
Sub-Inspector of Police,
Aizawl.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 8th February, 1982, a reliable information was received that SS L/Col. Lalhmingliana alias Himngtea armed with M.20 pistol was in the house of Shri Vanlaldinga. A Police party consisting of Shri M. T. Prabhakaran, Dy. S.P., Shri K. Lalruata, Sub-Inspector and others was formed, who cordoned off the house of Vanlaldinga. At about 2330 hours they knocked at the door of Shri Vanlaldinga. They were fully aware that Lalhmingliana was not only in the house but also armed with a weapon who would resort to firing at the first opportunity. Undaunted by the imminent risk to his life, Shri Prabhakaran alongwith Shri Lalruata

and constable Sailuta entered the house. When the Police party entered the room the extremist was holding his M.20 pistol with his hand ready to fire at the police party. Shri Lalruata on hearing the metallic sound from the adjoining room rushed into the room followed by Shri Prabhakaran. Before the extremist could pull the trigger of his M.20 pistol, Shri Lalruata physically launched himself on the extremist and Shri Prabhakaran who was right behind Shri Lalruata, removed the pistol from the hand of the extremist while the Constable pointed his revolver at the head of the extremist. The extremist was arrested alongwith his fully-loaded M.20 pistol.

Shri M. T. Prabhakaran, Deputy Supdt. of Police and Shri K. Lalruata, Sub-Inspector of Police, exhibited conspicuous gallantry and courage in the execution of the arrest of the extremist.

These awards are made for gallantry under rule 4(1) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 8th February, 1982.

No. 35-Pres/84.—The President is pleased to award President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Manipur Police :—

Name and rank of the officer

Shri Mohamed Fazur Rehman, (Posthumous)
NK/No. 3299,
Manipur.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the morning of the 20th April, 1983, an information was received that armed PLA extremists led by Khaidem Manikanta Singh were loitering in and around Lilong Bazar area with a motive of committing heinous crime. Nk. Fazur Rehman was detailed to verify the information so that police action could yield good result. He proceeded towards Lilong Bazar, located at a distance of about 10 kms. towards south along the Indo-Burma road. While he was standing in front of the hotel run by Mohd. Srejaman of Lilong Bazar, three extremists armed with 9 mm pistol and hand grenades attacked him. One of the extremists fired one round from close range as a result of which he received bullet-injury on his abdomen.

2. In spite of the bullet-injury he received, he chased the extremists who got flabbergasted at the unexpected and exceptional courage of Nk/Fazur Rehman and ran for their lives. He succeeded in catching hold of one of the extremists with one 9 mm pistol and squirmed the hand of the extremist to snatch the 9 mm pistol which fell down from the hand of the extremist. However, he pushed the extremist down on the floor on the eastern edge of the Indo-Burma Road and hit him with one stone repeatedly.

3. In the meantime, the villagers gathered there immediately, one of the extremists had lobbed two hand grenades towards the gathering near spot. One exploded in the nallah just near the spot where the scuffle took place and the other hand grenade was lying unexploded just near the spot. On hearing the explosion the villagers ran helter and skelter. In the melee, one of the extremists picked up the pistol and the other picked up the unexploded grenades and managed to escape. Thereafter, the villagers attacked the extremists with dao, spear, etc. as a result of which one of the extremists also received multiple injuries. Both the injured, Nk/Fazur Rehman and the extremist, were immediately rushed to the hospital but both of them succumbed to their injuries on way to the hospital.

4. Nk/Mohamed Fazur Rehman, thus exhibited conspicuous gallantry, courage, devotion to duty in apprehending the criminals and lost his life.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 20th April, 1983.

S. NILAKANTAN, Dy. Secy.
to the President

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY
AFFAIRS

(LEGISLATIVE DEPARTMENT)

New Delhi, the 3rd March 1984

RESOLUTION

No. F. 4(1)/81-OL.—In continuation of the Legislative Department Resolution No. F. 4(1)/81-OL dated the 20th December, 1982 the Government of India have decided to nominate Shri Shivam Nandan Kishore, Ex-vice Chairman & Adviser Education, Literature and Culture, Government of Bihar (Patna), a non-official, to serve as member of the Hindi Sahakar Samiti for the Ministry of Law, Justice and Company Affairs reconstituted on 24th April, 1982.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to —

Prime Minister's Office/Cabinet Secretariat/Department of Parliamentary Affairs/Lok Sabha Secretariat/Rajya Sabha

Sectt., Planning Commission/President's Secretariat/Accountant General, Central Revenues, New Delhi and all Ministries and Department of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

N. R. SUBRAMANYAN, Jt. Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 14th March 1984

No. 13019/3/82-GP II.—In partial modification of this Ministry's Notification of even number dated 9th July 1983, the President is pleased to appoint Shri Charanjit Singh as a Member of the Home Minister's Advisory Committee for the Union Territory of Chandigarh for the period upto 31st March 1984.

BALESHWAR RAI, Dy Secy.

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF REVENUE)

New Delhi, the 7th April 1984

PUBLIC NOTICE

No. DRAWBACK/PN—9/84.—Under Rule 4 of the Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1971 [Notification No. 52/F.No. 602/2/70—DBK, published in the Gazette of India (Extra-ordinary), dated the 25th August, 1971], the Central Government hereby makes the following additions in the Table published in the Public Notice No. 37/82 dated 26-4-1982:

Below Sub-Serial No. 2722, the following shall be added, namely:—

S.S.No.	Description	Rate of Drawback	Allocation	
			Cus.	C. Ex.
2722(A)	Readymade garments manufactured from man-made cellulosic filament yarn other than Sub-Serial No. 2722.	5% (Five percent only) of the FOB value.	0.5%	4.5%

This Public Notice shall be deemed to have come into force on the 1st day of June, 1981.

PUBLIC NOTICE

No. DRAWBACK/PN—10/84.—Under Rule 4 of the Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1971 [Notification No. 52/F.No. 602/2/70—DBK, published in the Gazette of India (Extra-ordinary), dated the 25th August, 1971], the Central Government hereby makes the following additions in the Table published in the Public Notices No 50/82 dated 1-6-1982 and 17/83 dated 1-6-1983:

Below Sub-Serial No. 2729, the following shall be added, namely:—

S.S. No.	Description	Rate of Drawback	Allocation	
			Cus.	C. Ex.
2729(A)	Readymade garments manufactured from man made cellulosic filament yarn other than knitted/hosiery fabrics and Sub-Serial No. 2729.	5% (Five percent only) of the FOB Value.	0.5%	4.5%

This Public Notice shall be deemed to have come into force on the 1st day of June, 1982.

Z.B. NAGARKAR, Dy. Secy.

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL
DEVELOPMENT

New Delhi, the 14th March 1984

RESOLUTION

No. CP/Panel/79-83/430.—Vide Resolution No. CP/PANEL/79-83, Govt. has reconstituted the Development Panel for Graphite and Carbon Products Industry for a period of 2 years from the date of issue of Resolution. It has now been decided to include the name of Shri S. K. Chakraborty, Director (Glass and Ceramics), Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, Nirman Bhavan, New Delhi as a member of the Panel.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. D. CHATURVEDI, Director Administration

MINISTRY OF SOCIAL WELFARE

New Delhi-110001, the 19th March 1984

RESOLUTION

No. F. 1-26/83-CSWB.—In continuation of this Ministry's Resolution No. 1-26/83-CSWB, dated 3rd February 1984,

the Government of India is pleased to nominate the following members on the General Body of the Central Social Welfare Board, with immediate effect :—

<i>Name of the State</i>	<i>Name of the Representative</i>
Tamil Nadu	Smt. Tara Cherian, M.L.C.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to :—

1. All Members of the Central Social Welfare Board (4* 1 copies)
2. All the State Governments, Union Territories.
3. All the Ministries/Departments of the Government of India.
4. President Secretariat
5. Prime Minister's Office.
6. Planning Commission.
7. Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariat.
8. Cabinet Secretariat.
9. Press Information Bureau, Shastri Bhavan, New Delhi.
10. The Director of Audit, Central Revenues, New Delhi.
11. Department of Company Affairs, Shastri Bhavan, New Delhi.
12. The Registrar of Companies, Kanchanjunga Building, Barakhamba Road, New Delhi.
13. The Regional Director, Company Law Board, Kanpur.
14. The Executive Director, Central Social Welfare Board, Jeevan Deep, Sansad Marg, New Delhi-110001.

15. All Chairmen, State Social Welfare Advisory Boards.

16. Governors of All States/It. Governors of all U.Ts.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

V. P. MARWAH, Jt. Secy.

MINISTRY OF COMMERCE

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

New Delhi, the 27th March 1984

RESOLUTION

No. 1(11)/83-CP — The Government of India had decided, vide Resolution No. 1(19)/82-CP dated 31st March, 1983, to reconstitute the All India Powerloom Board. The term of office of the Board was for a period of one year, with effect from the date of issue of that Resolution.

2. The Government of India have now decided to extend the period of the Board for further one year with effect from 31st March, 1984

3. Other provisions of Resolution 1(19)/82-CP of 31st March, 1983 remain unchanged.

ORDER

ORDERED that copy of this Resolution be communicated to all concerned

ORDERED also that the Resolution, be published in the Gazette of India for general information

HARBANS SINGH, Secy.

